

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 245 बेमेतरा, गुरुवार 30 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रुपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

एनएच-34 पर डंपर और मारुति वैन की टक्कर, चार बरातियों की मौत

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में नेशनल हाईवे-34 पर छिरका के पास देर रात डंपर और मारुति वैन की आमने-सामने टक्कर में चार बरातियों की मौके हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी मोदहा पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कुरारा थानाक्षेत्र के ग्राम डामर से कुशवाहा समाज की बरात कबरई थानाक्षेत्र के ग्राम खड्डू पहरा (महोबा) जा रही थी। बरात में शामिल कुछ लोग मारुति वैन से जा रहे थे। जैसे ही वाहन छिरका के पास पहुंचा तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में वैन के परखच्चे उड़ गए और उर्दना निवासी मोहन (20), तिंदुही निवासी आशीष (30), डामर निवासी कमलेश और एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। ये लोग हुए हैं घायल वहीं रोहित (19) निवासी तिंदुही, दिलीप (24) निवासी उर्दना और बाबूजी निवासी डामर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखरा पाठक, क्षेत्राधिकारी मोदहा राजकुमार पांडे, कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार समेत पुलिस बल मौके पर पहुंच गया

परिणीति चोपड़ा बर्नी आप में टूट की असली वजह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के भीतर चल रहा घमासान अब राजनीतिक गलियारों से निकलकर निजी जिंदगी तक पहुंच गया है। पार्टी में मंचे बवाल और टूट-फूट के बीच राघव चड्ढा और बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की हाई-प्रोफाइल शादी अचानक विवादों के केंद्र में आ गई है। ‘आप’ के एक पूर्व नेता ने ऐसा बम फोड़ा है, जिसने पूरी राजनीति में हलचल मचा दी है। उनका दावा है कि पार्टी में असल बगावत और झगड़े की जड़ कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राघव चड्ढा की परिणीति चोपड़ा से हुई शादी है। हैरान करने वाली बात यह है कि पूर्व नेता के मुताबिक, राघव पर इस रिश्ते को खत्म करने का भारी दबाव बनाया गया था। हरियाणा में आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष रह चुके नवीन जयहिंद ने एक वीडियो जारी कर अपनी ही पुरानी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राघव चड्ढा की शादी को विवाद का मुख्य कारण बताते हुए बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं।

विशेष सत्र पर सियासत तेज, सैनी का विपक्ष पर हमला

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं और कर्मचारियों से जुड़े अहम मुद्दों से किनारा किया, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। सैनी ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में विपक्ष के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें सत्र को असंवैधानिक बताया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्र मंत्रिमंडल की मंजूरी और राज्यपाल की अनुमति से विधिवत बुलाया गया। आचार संहिता के बावजूद सत्र पर उठे सवालों को भी उन्होंने निराधार बताया।

मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी की

रिजल्ट में बेटियों का दबदबा टॉप-10 में 8 छात्राएं शामिल

■ विद्यार्थियों की सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है: मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन से छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम जारी कर परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष हाई स्कूल परीक्षा में 77.15 प्रतिशत तथा हायर सेकेंडरी परीक्षा में 83.04 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की है, जो प्रदेश की शैक्षणिक प्रगति का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने इस उपलब्धि को राज्य के शिक्षा तंत्र, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की बेटियां लगातार शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने इसे न केवल छात्राओं के आत्मविश्वास और परिश्रम का प्रमाण बताया, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का भी प्रतीक बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद इन विद्यार्थियों ने अपने दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जो पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि



अफसर बनना चाहती है टॉपर संध्या,रिया ने कहा-डॉक्टर बनकर करुंगी समाज की सेवा

महासमुंद्र। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 10वीं-12वीं बोर्ड के नतीजे जारी कर दिए हैं। 10वीं में तीन छात्रों ने टॉप टेन में पहला स्थान प्राप्त किया है, इनमें संध्या नायक, परीरानी प्रधान और अंशुल शर्मा शामिल हैं। तीनों को 594 अंक मिले हैं। कक्षा 10वीं की टॉपर संध्या नायक एकलव्य इंग्लिश स्कूल अर्जुदा की छात्रा है। उन्होंने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया है। संध्या नायक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। संध्या ने बताया, मेरे रिजल्ट से परिवार और टीवर सभी बहुत खुश हैं। लगातार बधाई के लिए फोन भी आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह डिटी कमिश्नर बनना चाहती है। इसके लिए 12वीं के बाद सीजीपीएस की तैयारी करेगी। संध्या ने बताया कि ममी हाउस वाइफ़ है। पापा और दादा किसानों करते हैं। वह रोज दो-तीन घंटे पढ़ाई करती थी। साथ ही घर के काम में मां का हाथ भी बताती थी। उन्होंने बताया कि उनकी रुचि मैथ्स में है और वह आगे मैथ्स लेकर पढ़ाई करेगी। महासमुंद्र जिले के बलौदा गांव की परीरानी प्रधान ने 99 प्रतिशत के साथ पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। परी रानी डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहती है। बता दें कि परीरानी के पिता सुशील प्रधान ट्रेक्टर पाटर्स के दुकान चलाते हैं। उनके इस सफलता पर परिवार के लोगों और शिक्षकों ने खुशी जताई है। छात्रा रिया केशरवानी ने कक्षा 10वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची के टॉप-10 में दूसरे स्थान पर जगह बनाई है।



यह सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें और विकसित भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने परिवार, समाज और प्रदेश का गौरव हैं। उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों

को प्रेरित करेंगी और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने ऐसे विद्यार्थियों, जिन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली है, उन्हें निराश न होने, आत्मविश्वास बनाए रखने और सकारात्मक सोच के साथ निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास करने से एक दिन निश्चित ही सफलता उनके कदम चूमेगी।

जिले की इकलौती टॉपर खुशबू देवांगन को बधाई देने पहुंचे

नपाध्यक्ष प्रदीप नामदेव,जनप्रतिनिधि और शिक्षकगण

मूक पत्रिका/चांपा। कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 96.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर खुशबू देवांगन ने टॉप-10 में 10वां स्थान हासिल किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ उन्होंने नगर चांपा ही नहीं, बल्कि पूरे जांजगीर-चांपा जिले का नाम रोशन किया है। उल्लेखनीय है कि टॉप-10 में स्थान बनाने वाली वे जिले की एकमात्र छात्रा हैं।

इस अवसर पर चांपा नगर पालिका अध्यक्ष ने खुशबू देवांगन और उनके परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के क्षेत्र में खुशबू ने जो मुकाम हासिल किया है, वह जिले की बेटियों के लिए



प्रेरणास्रोत है।

समारोह में सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के प्राचार्य अश्वनी कश्यप सहित विद्यालय परिवार

उपस्थित रहा। साथ ही पार्षद अशोक देवांगन, सलीम मेमन, मंगल चंद देवांगन, वासुदेव देवांगन सहित गणमान्य नागरिकों

ने भी खुशबू को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खुशबू देवांगन ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन को देते हुए बताया कि वह प्रतिदिन 4 से 5 घंटे पढ़ाई करती थीं। उन्होंने कहा कि वे आगे चलकर हैंडलूम से जुड़कर व्यवसाय करना चाहती हैं। बुनकर परिवार से आने वाली खुशबू की यह उपलब्धि मेहनत, अनुशासन और लगन का उत्कृष्ट उदाहरण है।

जिले में टॉप-10 में स्थान पाने वाली अकेली छात्रा के रूप में खुशबू देवांगन की यह सफलता शिक्षा जगत में एक नई प्रेरणा बनकर उभरी है।

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का चुनाव संपन्न

बंपर वोटिंग शाम 5 बजे तक 89.99 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में आज दूसरे और अंतिम फेज के लिए मतदान शुरू हो गया है। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर वोटर्स की भारी भीड़ लगना शुरू हो गई है। शाम 5 बजे तक 89.99 प्रतिशत मतदान हो चुका है। चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। हावड़ा और बारानगर में ईवीएम की खराबी की खबर सामने आ रही है, जिसके चलते वहां हंगामा देखने को मिल रहा है। अब देkhना यह है कि क्या बंगाल में ममता बनर्जी एक बार फिर सरकार बना पाएंगी या फिर सत्ता विरोधी लहर का असर दिखाई पड़ेगा। आज दूसरे

चरण में 142 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। जबकि 4 मई को सभी विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कुल 142 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया जारी है। जहां लोग कामे बढ़चकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। वोटर टर्नआउट के मुताबिक, शाम 5 बजे तक 89.99 प्रतिशत दर्ज हुआ है। कई बूथों पर अभी भी मतदान के लिए लंबी लाइनें लगी हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने एक मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाला। आज बुधवार को, दूसरे चरण में 142 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया जारी है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम जीतने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन मैं कहूंगा कि एग्जिट पोल में कुछ चुनौतियां रहती हैं। हमें नहीं



पता कि सैंपल क्या सही प्रतिनिधित्व कर पा रहा है या नहीं? बहुत से लोग जवाब नहीं देते तो आप कैसे सही एग्जिट पोल निकालेंगे... हम बहुत आश्वस्त हैं कि हम चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन थरूर ने कहा कि हम जीतने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन मैं कहूंगा कि एग्जिट पोल में कुछ चुनौतियां रहती हैं। हमें नहीं

जाएगी। जहां भी EVM से छेड़छाड़ हुई है, वहां दोबारा चुनाव कराया जा सकता है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 142 सीटों पर मतदान चल रहा है। टीएमसी की पूर्व सांसद और लोकप्रिय अभिनेत्री नुसरत जहां ने कोलकाता के डायमंड सिटी साउथ अपार्टमेंट स्थित मतदान केंद्र पर वोट

राजस्थान हाई कोर्ट से आसाराम को फिर राहत

आसाराम को स्वास्थ्य कारणों से 25 मई तक बढ़ी जमानत...

जोधपुर/ एजेंसी

गौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से एक बार फिर राहत मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच ने मेडिकल आधार पर उनकी अंतरिम जमानत 25 मई 2026 तक अथवा उनकी अपील पर अंतिम फैसला आने तक बढ़ाने के आदेश दिए हैं। यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा की खंडपीठ ने सुनाया। आसाराम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत और अधिवक्ता यशपाल सिंह राजपुरोहित ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि आसाराम



वर्ष 2013 से जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं और वर्ष 2018 में दुष्कर्म मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। बचाव पक्ष ने दलील दी कि बढ़ती उम्र, गंभीर बीमारियों और लंबे समय से चल रहे उपचार के कारण उनकी चिकित्सा लगातार जारी रखना जरूरी है। वर्तमान में आसाराम 29 अक्टूबर 2025 से अंतरिम जमानत

पर बाहर रहकर इलाज करा रहे हैं। वकीलों ने अदालत से कहा कि यदि जमानत अवधि नहीं बढ़ाई गई तो उनका उपचार बीच में रुक जाएगा और उन्हें दोबारा जेल में सरेंडर करना पड़ेगा। साथ ही यह भी बताया गया कि सजा के खिलाफ दायर अपील पर 20 अप्रैल 2026 को सुनवाई पूरी हो चुकी है और अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। वहीं, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी ने अदालत को बताया कि जेल प्रशासन की ओर से समय-समय पर आसाराम को समुचित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रही हैं और उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी गई।

असम में एक बार फिर हिमंता सरकार

एग्जिट पोल में एनडीए को मिला स्पष्ट बहुमत..

असम। असम विधानसभा को लेकर एग्जिट पोल जारी हो चुके हैं। एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के मुताबिक, हिमंता बिस्वा सरमा एक बार फिर असम की बागडोर संभालेंगे। एक्सिस माई इंडिया के एग्जिट पोल के मुताबिक, असम राज्य की 126 सीटों में से एनडीए को 88-100 सीट मिलने का अनुमान है। वहीं, कांग्रेस को 24 से 36 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। राज्य विधानसभा चुनाव के फ़ाइनल नतीजे 4 मई को आएंगे। लेकिन उससे पहले आए एग्जिट पोल के सर्वे में असम के सियासी मिजाज का कुछ



हद तक अनुमान लगाया गया है। बीजेपी की कोशिश सत्ता को हेंद्रीक लगाना है तो कांग्रेस अपने 10 साल के वनवास को खत्म करने के पिराक में है। बदरहीन अजमल मुस्लिम वोटों के सहारे चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने के लिए पूरा दम लगाया है।

साय कैबिनेट की बैठक

छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति 2026 को मिली मंजूरी

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय, महानदी भवन में कैबिनेट बैठक हुई, जिसमें ‘छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026’ को मंजूरी दी गई। वहीं तीन आईपीएस अधिकारियों का डिमोशन निरस्त किया गया। इसके अलावा कई अहम फैसले लिए गए। मंत्रिपरिषद ने आज ‘‘छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026’’ को मंजूरी प्रदान की। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में स्वच्छ एवं सस्ती प्राकृतिक गैस की



उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी और आम उपभोक्ताओं को एलपीजी की तुलना में किफायती विकल्प मिलेगा। साथ ही इस नीति से पाइपलाइन के माध्यम से गैस की त्वरित और सुगम आपूर्ति का विस्तार होगा, जिससे शहरी

क्षेत्रों में सुविधाजनक ईंधन व्यवस्था विकसित होगी। इस पहल से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, ईंधन उपयोग में विविधता आएगी और राज्य में पाइपलाइन अधोसंरचना के विकास के साथ बड़े पैमाने पर निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार का यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण और जनसुविधा, दोनों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रिपरिषद ने आधुनिक खेल मैदान और क्रिकेट अकादमी के निर्माण के लिए जिला क्रिकेट एसोसिएशन, राजनांदगांव को सूर्यमुखी देवी

बंगाल के पांच एग्जिट पोल्स में भाजपा, दो में तृणमूल आगे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे बेहद चौकाने वाले हैं। सामने आए सात प्रमुख एग्जिट पोल्स में से पांच सर्वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने का साफसंकेत दे रहे हैं। पांचों सर्वे में भाजपा ने केंद्रल चुनाव का सर्वे सर्वे सर्वे सर्वे दिख रही है। बल्कि स्पष्ट बहुमत के साथ राज्य में अपनी पहली सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। ‘प्रजा पोल’ ने तो भाजपा की सबसे बड़ी जीत की भविष्यवाणी करते हुए उसे 178-208 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, ‘पोल डायरी’ (142-171), ‘पी-मारक्व्यू’ (150-175), ‘वाणक्व्यू स्ट्रैटजीज’ (150-160), और ‘मैट्रिज’ (146-161) ने भी भाजपा को बहुमत के आंकड़े के पार रखा है। वहीं, इन सबके बीच दो सर्वे ऐसे भी हैं जो टीएमसी के लिए राहत की खबर लेकर आए हैं। ‘पीपल्स पल्स’ और ‘जनमत पोलस’ ने टीएमसी की शानदार वापसी का अनुमान जताया है। ‘जनमत पोलस’ के अनुसार टीएमसी 195-205 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रख सकती है, जबकि उसने भाजपा को 80-90 सीटों पर समेट दिया है।

महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लाभार्थी महिलाओं के लिए ई-केवाईसी (e-KYC) कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में ई-केवाईसी का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं अपना केवाईसी कराने पहुंच रही हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में ई-केवाईसी के लिए महिलाओं को MVY नंबर/आईडी के साथ आधार कार्ड लाना अनिवार्य किया गया है। प्रक्रिया के दौरान महिलाओं की फोटो ली जा रही है, और फोटो का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जा रहा है और पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक कन्फर्मेशन संदेश भेजा जा रहा है। मोबाइल आधार संदेश के सत्यापन के बाद ई-केवाईसी पूर्ण पानी जा रही है। कर्मचारियों ने बताया कि महतारी

शिक्षा में चमका सारंगढ़-बिलाईगढ़, टॉप रैंक से बढ़ाया जिले का मान! प्रदेश मे सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला रहा 10 वि मे 11 वे और 12 वि मे 9 वे स्थान!

सारंगढ़-बिलाईगढ़ के होनहारों का कमाल, टॉप 10 में दो छात्रों की एंट्री!
कक्षा 10वीं में हेमंत पटेल मोना मॉडर्न स्कूल बरमकेला, कक्षा 12वीं में शिवम दुबे शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल सरिया!

सारंगढ़-बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के वर्ष 2026 के परीक्षा परिणाम में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। जिले ने हाई स्कूल (10वीं) परीक्षा में राज्य स्तर पर 11वां स्थान तथा हायर सेकेंडरी



(12वीं) में 9वां स्थान हासिल कर एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। इस गौरवशाली सफलता के साथ जिले के मेधावी विद्यार्थियों ने भी राज्य की टॉप सूची में जगह बनाकर जिले का नाम रोशन किया है। कक्षा 10वीं में

हेमंत पटेल, मोना मॉडर्न स्कूल बरमकेला के छात्र ने राज्य में 10वां स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, वहीं कक्षा 12वीं में शिवम दुबे, शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल सरिया के छात्र ने 9वां स्थान हासिल कर

जिले को गौरवान्वित किया।यह सफलता केवल अंकों की उपलब्धि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की अथक मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का सशक्त परिणाम है। पूरे जिले में इस उपलब्धि को लेकर उत्साह और गर्व का माहौल है। जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज एवं जिला शिक्षा अधिकारी जे. आर. डहरिया ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों की सराहना करते हुए इसे सामूहिक प्रयास की जीत बताया। सारंगढ़-बिलाईगढ़ का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन न केवल जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है, जो यह दर्शाता है कि यहां के छात्र-छात्राएं निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

खस्ताहाल पंडरिया रोड की स्थिति से नाराज किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव इंद्रजीत कुर्रें ने सौंपा ज्ञापन

मुंगेली/मूक पत्रिका

जिले की प्रमुख सड़कों में शामिल पंडरिया रोड की बदहाल स्थिति को लेकर किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री यमहासचिवद्व इंद्रजीत कुर्रें द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला मुख्यालय पहुंच एडिम को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमे खस्ताहाल सड़कों की तत्काल मरम्मत की मांग की गई है, दिए गए ज्ञापन के अनुसार स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। मुंगेली में स्थित इस मार्ग पर जगह-जगह 2 से 4 फीट गहरे गड्ढे हो गए हैं। जिससे रोजाना आवागमन करने वाले लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। खासतौर पर स्कूल जाने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए यह



सड़क गंभीर चिंता का विषय बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों को स्कूल और कोचिंग भेजना अब जोखिम भरा हो गया है। इस मार्ग पर लगातार ऑटोएं बाइक और अन्य वाहन गड्ढों के कारण

असंतुलित होकर पलट रहे हैं। वहीं सड़क की खराब हालत से आसपास के व्यापारियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्राहकों का आना जाना कम हो गया है। जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है।

कपरी नाला के पास गार्ड वॉल क्षतिग्रस्त होने की शिकायत पर विभाग सक्रिय

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

स्टेट हाईवे-17 के चराईडंड-बतौली मार्ग स्थित कपरी नाला के पास सड़क सुरक्षा हेतु लगाए गए लोहे के गार्ड वॉल के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर लोक निर्माण विभाग ने त्वरित संज्ञान लिया है। कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग जशपुर द्वारा जानकारी दी गई है कि उक्त स्थल का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया गया है। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गार्ड वॉल के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हैं, जिसके सुधार हेतु आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई

है। विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त गार्ड वॉल के मरम्मत के लिए प्राक्कलन तैयार कर विशेष मरम्मत मद अंतर्गत उच्च कार्यालय को प्रेषित किया जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृति प्राप्त होते ही आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य शीघ्र प्रारंभ कर पूर्ण किया जाएगा, ताकि मार्ग पर आवागमन सुरक्षित बना रहे। लोक निर्माण विभाग ने आमजन को आश्वासन दिया है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके।

प्राकृतिक आपदा में जनहानि के दो मामले में प्रभावित परिजन हेतु 08 लाख की राशि स्वीकृत जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के दो मामलों में प्रभावित परिजनों को आर.बी.सी. 6-4 के तहत कुल 08 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। दुलदुला तहसील अंतर्गत ग्राम बांसपतरा निवासी स्व. पायल सिंह का कुआं के पानी में डूबने से 19 सितम्बर को मृत्यु हो गई थी।

जिले में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत बेमेतरा के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में विभिन्न निर्माण कार्यों एवं शासकीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने विभागवार समीक्षा करते हुए कार्यों में गति लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सुशासन त्योहार के शिविरों की तैयारियों पर जोर

कलेक्टर ने आगामी सुशासन त्योहार के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयपूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से आमजन को योजनाओं का त्वरित लाभ मिलना चाहिए।



प्रधानमंत्री आवास योजना में तेजी लाने के निर्देश

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को शीघ्र पक्का आवास उपलब्ध कराने तथा अपात्र हितग्राहियों के नाम सूची से हटाने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

मानसून पूर्व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

कलेक्टर ने सभी निर्माण कार्यों को मानसून से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने तकनीकी सहायकों को ग्राम स्तर पर लगातार निगरानी रखने और निर्माणाधीन कार्यों का नियमित निरीक्षण करने को कहा।

मनरेगा के तहत रोजगार बढ़ाने पर फोकस

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले के सभी शासकीय भवनों में जहां रैन वाटर हार्वैस्टिंग संरचना नहीं है, वहां तत्काल स्वीकृति देकर निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए।

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले के लिए इस वर्ष 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम गर्व का विषय बनकर सामने आया है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित परिणाम में जिले की दो होनहार छात्राओं ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर पूरे जिले का नाम रोशन किया है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय की छात्रा ओमनी वर्मा ने प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया, वहीं लक्ष्मी साहू ने टॉप-टैन में नौवां स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य से मिली सफलता

ओमनी वर्मा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने नियमित अध्ययन,

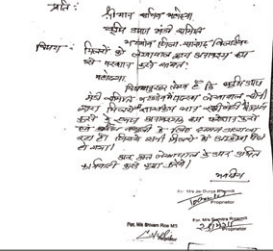
सीमित संसाधनों में लक्ष्मी ने रचा सफलता का इतिहास

दूसरी ओर लक्ष्मी साहू ने भी सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी मेहनत कर प्रदेश की टॉप-टैन सूची में नौवां स्थान प्राप्त किया। उनका यह प्रदर्शन इस बात का उदाहरण है कि स्पष्ट लक्ष्य और सच्ची लगन से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है।

अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर यह मुकाम हासिल किया। ओमनी ने बताया कि वे प्रतिदिन 11 से 12 घंटे पढ़ाई करती थीं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया।उनके माता-पिता ने भी बताया कि उन्होंने हल्सा बेटी को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और हर परिस्थिति में उसका साथ दिया। ओमनी का मानना है कि कठिन परिश्रम, समय का सही उपयोग और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि यह सफलता छात्राओं की मेहनत के साथ-साथ विद्यालय के बेहतर शैक्षणिक वातावरण और मार्गदर्शन का परिणाम है।

राइस मिलरो ने भटगांव मंडी के लेखापाल पर अवैध वसूली का लगाया आरोप



भटगांव/मूक पत्रिका

कृषि उपज मंडी समिति भटगांव में पदस्थ लेखापाल शुभम कुमार सोनी के विरुद्ध मंडी क्षेत्र के व्यापारियों एवं राइस मिल संचालकों द्वारा गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि लेखापाल द्वारा उच्च अधिकारियों का रौब दिखाते हुए स्वयं को मंडी का कर्ताधर्ता एवं सचिव के रूप में प्रस्तुत कर व्यापारियों को भयभीत करते हैं।प्राप्त आवेदन के अनुसार, लेखापाल सोनी द्वारा राइस मिलरों एवं व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने, धमकाने तथा भ्रामक जानकारी देने की शिकायतें की गई हैं। यह भी आरोप



है कि शासकीय स्टॉक इंड्राज करने एवं अन्य कार्यालयीन कार्यों के नाम पर अवैध रूप से धनराशि की मांग करते हैं।सूत्रों के मुताबिक, रात्रिकाल में वाहनों को रोककर भी अवैध वसूली का प्रयास किए जाने की बात सामने आई है, जिससे मंडी क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। वहीं, मंडी के नियमित कार्यालयीन कार्यों के प्रति घोर लापरवाही बरतने एवं उच्च अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।बताया जाता है कि भटगांव के अधीनस्थ उप मंडी सरसीवां के व्यापारी भी लेखापाल के व्यवहार से परेशान हैं और इस संबंध में सचिव महोदय को पत्र लिखकर शिकायत

दर्ज कराने एवं कार्रवाई की मांग कर चुके हैं।स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पूर्व में मंडी के किसी भी अधिकारी या इंस्पेक्टर द्वारा इस प्रकार की अवैध वसूली नहीं की गई। आरोप है कि लेखापाल द्वारा मंडी शुल्क के अतिरिक्त अन्य माध्यमों से भी वसूली का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, व्यापारियों से अनावश्यक दस्तावेजों की मांग कर उन्हें दबाव में लेने और अवैध वसूली का प्रयास किए जाने की बात कही जा रही है।इस पूरे मामले को लेकर व्यापारियों एवं राइस मिल संचालकों में रोष व्याप्त है तथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बेमेतरा की बेटियों ने बढ़ाया मान, 12वीं बोर्ड में प्रदेश टॉप-टैन में चमकी ओमनी वर्मा व लक्ष्मी साहू

सीमित संसाधनों में लक्ष्मी ने रचा सफलता का इतिहास

दूसरी ओर लक्ष्मी साहू ने भी सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी मेहनत कर प्रदेश की टॉप-टैन सूची में नौवां स्थान प्राप्त किया। उनका यह प्रदर्शन इस बात का उदाहरण है कि स्पष्ट लक्ष्य और सच्ची लगन से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है।

विद्यालय व शिक्षकों ने जताया गर्व

दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि यह सफलता छात्राओं की मेहनत के साथ-साथ विद्यालय के बेहतर शैक्षणिक वातावरण और मार्गदर्शन का परिणाम है।

शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में भी जिले के विद्यार्थी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

जिले का परीक्षा परिणाम भी रहा बेहतर

जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी के अनुसार, वर्ष 2026 में 10वीं बोर्ड परीक्षा में 12,909 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए, जिनमें से 8,607 उत्तीर्ण हुए। जिले का कुल परिणाम 71.82 प्रतिशत रहा।इसी प्रकार 12वीं बोर्ड परीक्षा में 8,640 विद्यार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें 7,116 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए और कुल परिणाम 82.39 प्रतिशत दर्ज किया गया।

जिले में जश्न का माहौल, छात्राओं को मिल रहीं

बधाइयाँ
ओमनी वर्मा और लक्ष्मी साहू की इस सफलता से पूरे जिले में खुशी का माहौल है। परिवारजनों, मित्रों और आसपास के लोगों ने मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। शहरभर में उनकी उपलब्धि की चर्चा हो रही है और उन्हें लगातार शुभकामनाएं मिल रही हैं।

अन्य विद्यार्थियों के लिए बनी प्रेरणा

ओमनी और लक्ष्मी की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि बेमेतरा जैसे जिले में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सही दिशा, मार्गदर्शन और मेहनत से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उनकी यह उपलब्धि जिले के अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी है।

मिट्टी की झोपड़ी से मेरिट तक: 510 अंकों से चमकी लैलूंगा की बेटी, हुलेश्वरी राठिया

लैलूंगा/रायगढ़ /मूक पत्रिका

जहाँ अक्सर अभाव सपनों की राह रोक लेते हैं, वहीं रायगढ़ जिले के लैलूंगा क्षेत्र की एक आदिवासी बेटी ने अपने हौसले से हर बाधा को पीछे छोड़ दिया। बनेकेला गांव की रहने वाली हुलेश्वरी राठिया ने 510 अंक हासिल कर यह साबित कर दिया कि मेहनत और लगन के आगे गरीबी भी हार मान जाती है। सरकारी स्कूल में पढ़ाई, सीमित संसाधन और आर्थिक तंगी ये सभी चुनौतियाँ उसके रास्ते में दीवार बनकर खड़ी थीं। लेकिन हुलेश्वरी ने हार मानने के बजाय हर कठिनाई को अपनी ताकत बनाया और लगातार मेहनत करते हुए मेरिट में स्थान हासिल कर लिया। स्वामी आत्मानंद स्कूल, झगरपुर में अध्ययनरत हुलेश्वरी ने बिना किसी महंगे कोचिंग या विशेष



सुविधाओं के केवल अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। दिन-रात की पढ़ाई, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया। हुलेश्वरी के पिता पतिराम राम राठिया, जो एक साधारण परिवार से आते हैं, ने अपनी मेहनत और

त्याग से बेटी के सपनों को संभल दिया। वहीं माता शिव कुमारी राठिया ने हर मुश्किल घड़ी में बेटी का हासला बनाए रखा। परिवार का यही विश्वास आज उसकी सफलता की नींव बना। कच्ची गलियों से निकलकर मेरिट की ऊँचाइयों तक पहुंची हुलेश्वरी आज पूरे इलाके के लिए प्रेरणा बन चुकी है। उसकी यह उपलब्धि न सिर्फ एक व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि उन सभी छात्रों के लिए एक संदेश है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।आज लैलूंगा और रायगढ़ जिले में हुलेश्वरी राठिया का नाम सिर्फ एक छात्रा का नहीं, बल्कि संघर्ष, हिम्मत और सफलता की एक जीवंत कहानी बन चुका है।

सख्त भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा

स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक शौचालय, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा संग्रहण केंद्र, ग्रे वॉटर एवं फिक्कल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पूर्ण कार्यों का शीघ्र संचालन शुरू करने और अपूर्ण कार्यों को एक माह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति

बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर, उपसंचालक पंचायत सुश्री भूमिका देसाई सहित विभिन्न जनपद पंचायतों के अधिकारी एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि अगली समीक्षा बैठक में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त शासकीय कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में पर्याप्त कार्य स्वीकृत कर शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

रेन वाटर हार्वैस्टिंग और अपूर्ण कार्यों पर विशेष ध्यान

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले के सभी शासकीय भवनों में जहां रैन वाटर हार्वैस्टिंग संरचना नहीं है, वहां तत्काल स्वीकृति देकर निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए।

साथ ही पूर्व वर्ष के अपूर्ण कार्यों को ‘नेग पोर्टल’ में अद्यतन कर शीघ्र पूर्ण करने को कहा।

बिहान योजना से महिला समूहों को सशक्त बनाने के निर्देश

बिहान योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए नियमित बैठक आयोजित करने, उनकी समस्याओं का निराकरण करने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए गए।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव के पहले चरण में करीब तिरानबे फीसद लोगों ने मतदान किया, जबकि तमिलनाडु में पचासी फीसद से ज्यादा लोग घर से निकले और उन्होंने वोट डाले।पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के तहत गुरुवार को हुआ मतदान पार्टियों के बीच जीत के लिए जोर-आजमाइश या राजनीतिक खींचतान से ज्यादा डाले गए वोट के फीसद के लिए दर्ज किया जाएगा। निश्चित तौर पर यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र के एक पर्व के तौर पर देखे जाने वाले चुनाव और मतदान में ज्यादा से ज्यादा मतदाता हिस्सा लें।मगर पश्चिम

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती हैं। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया।

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

(ललित गर्ग)
पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिंगुएल डी सर्वान्टेस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रूचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।
पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला

बंगाल और तमिलनाडु में अब तक जितने अधिकतम लोगों ने वोट डाले थे, इस बार के चुनाव में वह आंकड़ा पार कर गया। स्वाभाविक ही इसे लोकतंत्र के जीवन और आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता फैलने के रूप में देखा जा रहा है। मगर इसके समांतर कुछ अन्य सहायक कारक भी स्पष्ट हैं, जिनकी वजह से पात्र मतदाताओं ने दोनों राज्यों में जम कर वोट डाले।गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव के पहले चरण में करीब तिरानबे फीसद लोगों ने मतदान किया, जबकि तमिलनाडु में पचासी फीसद से ज्यादा लोग घर से निकले और

उन्होंने वोट डाले।जाहिर है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों ने अगर मतदान किया है, तो इसके पीछे मुख्य कारण संवैधानिक अधिकारों के प्रति जनता के बीच फैली व्यापक जागरूकता है और यह देश के लोकतंत्र के लिए एक सुखद संकेत है। हालांकि पश्चिम बंगाल में होने वाले किसी भी चुनाव में मतदान का फीसद सामान्य तौर पर अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा रहता है, लेकिन इस बार का आंकड़ा अगर इतना ऊंचा गया है, तो इसकी वजह वहां के राजनीतिक माहौल में प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच आक्रामक खींचतान से पैदा हुआ उद्वेलन भी है, जिसने बहुत सारे लोगों को

अपना वोट हर हाल में डालने को लेकर जागरूक किया।तमिलनाडु में भी कमोबेश स्थिति यही रही। दिलचस्प यह है कि इन दोनों राज्यों के चुनावी गणित में अब तक भाजपा का कोई खास प्रभाव नहीं रहा है, लेकिन इस बार के चुनाव प्रचार में योजनाबद्ध तरीके से इसने जिस स्तर का दखल दिया, उसमें यह विपक्षी पार्टियों के विरोध का केंद्र बन गई। इस क्रम में आक्रामक चुनाव प्रचार अभियानों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ा, जिन्होंने अपने-अपने पक्ष के लिए मतदान में हिस्सेदारी को अपनी जिम्मेदारी माना।इसके अलावा, एक

बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव के पहले जिस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का अभियान चलाया और अपात्र मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया चली, उसमें बड़ी संख्या में लोगों के बीच किसी भी स्थिति में सूची में कायम रहने को लेकर फिक्र पैदा हुई।यही वजह है कि एसआइआर की प्रक्रिया में मृत या विस्थापित हो चुके और अन्य कारणों से अपात्र माने गए लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद जो बचे रहे, उन्होंने इस बार पहले के मुकाबले वोट डालने को लेकर ज्यादा सजगता दिखाई।दरअसल, इस सूची में मौजूदगी सुनिश्चित होना और मताधिकार का उपयोग करना भविष्य में नागरिक अधिकारों के सुरक्षित होने को

लेकर एक आशंका से भी जुड़ा हो सकता है। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि मतदान के लिए पात्र माने गए लोगों ने अगर भारी संख्या में घरों से निकल कर अपने मतदान के हक का इस्तेमाल किया, तो यह न केवल जनता के बीच व्यापक जागरूकता का संकेत है, बल्कि देश के लोकतंत्र के मजबूत होते जाने का सूचक भी है।पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग संपन्न हो गई है, 90 फीसदी के करीब मतदान हुआ है। पिछले 15 सालों से राज्य में ममता बनर्जी की सरकार है। 2011 में उन्होंने पहली बार सत्ता में आने के बाद बंगाल की जनता से कई वादे किए थे। बीजेपी आरोप लगाती है कि ममता उन वादों पर खरा नहीं उतर पाई हैं।

नेपाल की राजनीति में भूचाल ! इस्तीफों, आरोपों और अंदरूनी घमासान से घिरी नई सरकार

(पुष्परंजन)
नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद आम लोगों को उम्मीद थी कि देश के विकास को नई दिशा मिलेगी, जनकल्याण की नीतियां एवं योजनाएं आकार लेंगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। मगर अब देश के शासन और सियासत में ही नई चुनौतियां पैदा हो गई हैं। नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब हवाला व्यवसायी दीपक भट्ट के साथ उनके कथित व्यावसायिक संबंधों को लेकर जांच चल रही है और पार्टी के अंदर



तनातनी थीं। गुरुंग का इस्तीफा नहीं होता, तो अंत:पुर का झगड़ा खुल कर बाहर आ जाता। उनका कहना है कि उनसे जुड़े मामलों में निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने पद से इस्तीफा दिया है, ताकि कोई ये न कह सके कि पद पर रहते वे जांच प्रक्रिया को प्रभावित कर रहे हैं।

गृहमंत्री के इस्तीफे के बाद नेपाल में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। गुरुंग ने कहा, ‘हाल के दिनों में सार्वजनिक स्तर पर उनके निवेश, जिसमें शेरयों में निवेश भी शामिल है, उसे लेकर उठाए गए सवालों को मैंने गंभीरता से लिया है, नैतिकता पद से बड़ी होती है। देश में चल रहा युवाओं का आंदोलन सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहा है, उसने भी यही संदेश दिया है कि सार्वजनिक जीवन साफ-सुथरा होना चाहिए। अगर कोई मेरे भाइयों और बहनों के बलिदान से बनी सरकार पर सवाल उठाता है, तो उसका जवाब नैतिकता है।’

गुरुंग ने सोशल मीडिया पर सफाई के देते हुए कहा, ‘बहुत सारी अफवाहें फैल रही हैं। तथ्यों को अटकलों से अलग करने की जरूरत है। आरोप और सच्चाई एक ही चीज नहीं हैं। फैसले

था। यह पत्र पार्टी के केंद्रीय अनुशासन आयोग की जांच रपट पर आधारित था, जिसमें कहा गया था कि साह ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपनी पत्नी को स्वास्थ्य बीमा बोर्ड के सदस्य के तौर पर बनाए रखा। यह पद काफी समय से लगभग निष्क्रिय पड़ा था। दीपक कुमार साह संसद सदस्य बनने से पहले मेडिकल दाखिले में फर्जीवाड़ा करने के आरोप में अपनी कंपनी के सहयोगी के साथ गिरफ्तार किए गए थे। उनका मामला नेपाल की एक उच्च अदालत में लंबित था। प्रधानमंत्री ऐसे शख्स को मंत्री बनाने की वजह से भी आलोचना के घेरे में थे।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी पारदर्शिता और साफ-सुथरी राजनीति का पैगाम देकर सत्ता में आई थी और उसके लिए अब जनता की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने की चुनौती है। बालेंद्र शाह ने पहले श्रम मंत्री दीपक साह को सत्ता दुरुपयोग के आरोप में मंत्रिमंडल से बाहर किया। साह चुनाव से पहले मेडिकल में दाखिले में पैसे उगाही के मामले में जेल जा चुके थे। मगर इस बार देश के गृहमंत्री सुदन गुरुंग शक के घेरे में थे। गुरुंग ने जहां निवेश किया था, उसके तार कुख्यात हवाला कारोबारी दीपक भट्ट के साथ जुड़े बताए जा रहे हैं।

विचार-पक्ष

बंपर वोटिंग के मायने

उन्होंने वोट डाले।जाहिर है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों ने अगर मतदान किया है, तो इसके पीछे मुख्य कारण संवैधानिक अधिकारों के प्रति जनता के बीच फैली व्यापक जागरूकता है और यह देश के लोकतंत्र के लिए एक सुखद संकेत है। हालांकि पश्चिम बंगाल में होने वाले किसी भी चुनाव में मतदान का फीसद सामान्य तौर पर अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा रहता है, लेकिन इस बार का आंकड़ा अगर इतना ऊंचा गया है, तो इसकी वजह वहां के राजनीतिक माहौल में प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच आक्रामक खींचतान से पैदा हुआ उद्वेलन भी है, जिसने बहुत सारे लोगों को

है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय

पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में

पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश

करकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की

भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही

देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के



चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि अज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश। इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को संस्थापन के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ

विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उलटव्थ नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की

विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उलटव्थ नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार । (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट- केजरीवाल कब छोड़ेंगे पार्टी सुप्रीमो की कुर्सी?

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

(संतोष कुमार पाठक)
आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राखव चट्टा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया। आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी। आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राखव चट्टा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया। राखव चट्टा की जिस काबलियत को देखकर एक जमाने में कुमार विश्वास, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें

ईर्तन के तौर पर पार्टी के साथ जोड़ा था। उसी काबलियत का इस्तेमाल करते हुए बड़ी ही चालाकी से राखव चट्टा ने आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 का जुगाड़ (खुद को मिलाकर) करते ही बीजेपी का दामन थाम लिया।टूट के लिए कानूनी रूप से जरूरी दो-तिहाई सांसदों का जुगाड़ कर एक बार फिर से



राखव चट्टा ने अपनी काबलियत तो साबित कर दी लेकिन इस बार वे अपने ही राजनीतिक गुरु केजरीवाल पर भारी पड़ गए। पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस पार्टी को खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से शूटक गई है। वहीं केजरीवाल ने अपने राजनीतिक स्टालिन के मुताबिक, बीजेपी पर पंजाबियों के साथ थोखा देने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी और

उनके पूरे सिस्टम ने इन्हें गद्दार, यहां तक कि देशद्रोही तक साबित करने का अभियान छेड़ दिया है।

जबकि होना तो यह चाहिए था कि इतनी बड़ी टूट के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, खासकर आंदोलन के समय के नेताओं को बैठकर आत्ममंथन करना चाहिए। वर्ष 2013 से पहले और उसके



बाद आए तमाम नेताओं पर नजर डालते हुए, यह सोचना चाहिए कि अब तक कितने गए, कब गए, क्यों गए और किसकी वजह से गए? लेकिन इसकी बजाय केजरीवाल पार्टी छोड़कर जाने वाले हर नेता को गद्दार साबित करने में जुट जाते हैं ताकि पार्टी के अंदर कोई भी उनके रवैए पर सवाल न उठा पाए। आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी आंदोलन से हुआ था इसलिए इस पार्टी का खत्म होना दशकों

तक इस देश को आंदोलन के नाम से डरता रहेगा। इसके लिए सिर्फ ऑपरेशन लोटस और बीजेपी को जिम्मेदार बता देने से काम नहीं चलेगा।

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को तुरंत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाकर कुछ कड़े फैसले लेने की पहल करनी चाहिए। दिल्ली में मिली हार के बाद अब यह सवाल तो बेमानी हो गया है कि एक व्यक्ति, एक पद के नियम के बावजूद अरविंद केजरीवाल वर्षों तक दो-दो पदों पर कैसे बने रहे? लेकिन अब यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिर पिछले साढ़े 13 वर्षों से एक ही व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक क्यों बने हुए हैं? क्या संजय सिंह, मनीष सिसोदिया या पार्टी के किसी भी अन्य नेता में पार्टी की कमान संभालने की क्षमता नहीं है ? नेताओं को पार्टी से निकालने का मामला हो या राज्यसभा उम्मीदवार तय करने का मामला हो, यह सब कुछ एक ही व्यक्ति की इच्छा पर कब तक छोड़ा जाएगा? आखिर पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी क्यों बनाई गई है और इसका काम क्या है? पहले दिल्ली में सत्ता सुख भोगों और जब यहां पर जनता सत्ता से बाहर कर दें तो पंजाब जाकर जम जाओ, ये किस तरह का रवैया है? चाहे वो केजरीवाल हो या मनीष सिसोदिया या फिर बिभष कुमार या फिर कोई अन्य नेता या कर्मचारी,

दिल्ली की हार के बाद क्या ये लोग 3-4 साल भी दिल्ली में या देश के अन्य राज्यों में संघर्ष नहीं कर सकते जो ये लोग सत्ता वाले राज्य पंजाब को घर बनाने निकल पड़ते हैं? अगर इन सवालों के जवाब नहीं तलाशे गए तो यकीन मानिए कि आने वाले दिनों में आप का पूरा संगठन भी बीजेपी में विलय होता हुआ नजर आएगा। अगर यह सब सिर्फ एक या दो व्यक्ति की जिद के कारण हो रहा है तो पार्टी के सभी नेताओं को मिलकर उन्हें किनारे लगाकर किसी भी सक्षम नेता को जिम्मेदारी देनी चाहिए। पार्टी को अपने पुराने नेताओं की भी घर वापसी का अभियान बड़े पैमाने पर चलाना चाहिए और सबसे बड़ी बात आप के नेताओं को यह समझना चाहिए कि राज्यसभा की सांसदी का टिकट धनसेठों के लिए नहीं पार्टी के समर्पित कार्यकताओं के लिए होता है।

राजनीतिक हालात जिस तेजी से बदल रहे हैं, अगर उससे भी ज्यादा तेजी से आप ने बदलाव नहीं किए तो आने वाले दिनों में पार्टी के नाम और निशान दोनों पर ही बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, बिभष कुमार, भगवंत मान और आतिशी इस बड़े बदलाव के लिए तैयार हैं? लेखक वरिष्ठ पत्रकार। इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

एनएसए अजीत डोभाल ने यूएई के राष्ट्रपति से की मुलाकात, क्षेत्रीय सुरक्षा पर हुई चर्चा

अबू धाबी, एजेंसी। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रविवार को यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भारत और यूएई के बीच 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को और गहरा करने के तरीकों पर बात की। इसके अलावा क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हित के अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इससे पहले इसी महीने डोभाल ने सऊदी अरब के शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात की थी। उन्होंने वहां के विदेश मंत्री, ऊर्जा मंत्री और एनएसए के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की थी। डोभाल की यूएई यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर को लेकर अनिश्चितता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि यह मुलाकात अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत शुरू कराने की कोशिशों का हिस्सा थी।

बांग्लादेश में अबहिंदू पुजारी की मौत, पेड़ से लटका मिला शव

ढाका, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में अपने घर से लापता होने के तीन दिन बाद मंदिर की रखवाली करने वाले एक हिंदू का शव पेड़ से लटका मिला। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीयूसी) ने शनिवार देर रात बताया कि चट्टोग्राम जिले के स्थानीय उपजिला के दोहाजारी इलाके के नयन साधु (40) कॉक्स बाजार सदर उपजिला के खुरुशकुल यूनियन में स्थित एक शिवकाली मंदिर में देखभालकर्ता-सह-पुजारी के तौर पर सेवा दे रहे थे। कॉक्स बाजार इलाके के पुलिस और निवासियों के अनुसार, 19 अप्रैल की देर शाम दो अज्ञात लोग नयन को अपने साथ ले गए थे। इसके तीन दिन बाद, गांव के बाहरी इलाके में एक पहाड़ी क्षेत्र में पेड़ से लटका हुआ उसका शव मिला। एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कालेर कांडा समाचापत्र ने बताया कि हमने जब शव बरामद किया तो वह सड़ना शुरू हो चुका था। पुलिस को अभी तक यह पक्का नहीं पता चला है कि यह हत्या का मामला है या आत्महत्या का। एक बयान में, परिषद ने उनकी हत्या के दोषियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। इससे पहले नौ अप्रैल को परिषद ने कहा था कि इस साल 1 जनवरी से 31 मार्च के बीच बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा की 133 घटनाएं हुई हैं। खास तौर पर हिंदुओं पर बड़े पैमाने पर अत्याचार हो रहे हैं।

इस्लामाबाद में एक परिवार के 4 लोगों की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के उपनगरीय इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतकों में एक महिला और एक किशोर भी शामिल हैं। यह घटना शनिवार को जांगी सैयदन क्षेत्र में एक घर में हुई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने सुबह गोली चलने की आवाजें सुनीं और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो घर की पहली मंजिल पर चार शव बरामद हुए। दो पीड़ित अलग-अलग बिस्तारों पर थे, जबकि एक शव फर्श पर पड़ा मिला। पुलिस अधिकारी के अनुसार, सभी पीड़ितों के सिर में गोली लगी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अस्पताल में शिफ्ट कर दिया है।

मिनियापोलिस के पास छोटा विमान क्रैश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस के पास शनिवार को एक छोटा विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गया। यह हादसा क्रिस्टल एयरपोर्ट से टेकऑफ के कुछ ही देर बाद ब्रुकलिन पार्क इलाके में हुआ। इस हादसे में नॉर्थ डकोटा की डेमोक्रेटिक-एनपीएल पार्टी की विधायक लिज कॉन्नीमी की मौत हो गई। उनके साथी विधायक और सीनेटर टिम मैथर्न ने इस दुखद घटना की पुष्टि की। साथ ही पायलट की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। प्रशासन और जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं।

ईरान को डराने-धमकाने की कोशिश काम नहीं करेगी', अराघची के मॉस्को दौरे के बीच रूस का बड़ा बयान

मॉस्को, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस दौरे पर मॉस्को पहुंच गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री के दौरे के बीच ही रूस का एक बड़ा बयान सामने आया है। रूस ने कहा है कि ईरान को सैन्य ताकत का डर दिखाकर डराया-धमकाया नहीं जा सकता। विधना में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन में रूस के प्रतिनिधि मिखाइल उलयानोव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, सैन्य तैनाती की धमकी और प्रतिबंध कड़े करने की बात ब्लैकमेलिंग है, लेकिन ईरान पर ये चाल काम नहीं करेगी। रूसी राजनयिक ने कहा कि अमेरिका को समझौते के लिए अपने रुख को नरम करना पड़ेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को कहा कि उनका रूस दौरा, युद्ध के बाद समन्वय का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अराघची ने ये टिप्पणियां सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए पर प्रसारित एक पूर्व-रिकॉर्डेड साक्षात्कार में कीं। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक अच्छा अवसर है कि हम युद्ध से जुड़े घटनाक्रम और वर्तमान स्थिति पर अपने रूसी मित्रों के साथ परामर्श करें।' अराघची ने कहा कि अमेरिका के रवैये के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ता में देरी हुई। उन्होंने कहा, 'फिक्की वार्ता में प्रगति होने के बावजूद, अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकी।

पत्रकार पर भड़के ट्रंप: टॉमस के आरोप पर सवाल सुनकर बोले- हमलावर मानसिक रोगी, उसकी बात पढ़ने पर शर्म आनी चाहिए

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक टीवी इंटरव्यू के दौरान पत्रकार से तीखा विवाद हो गया। यह टकराव उस समय हुआ जब उनसे वाशिंगटन हिल्टन में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरिस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी और आरोपी कोल टॉमस एलन के कथित घोषणापत्र (मैनिफेस्टो) को लेकर सवाल पूछा गया। इंटरव्यू के दौरान पत्रकार नोराह ओ'डोनेल ने संदिग्ध हमलावर द्वारा कथित रूप से लिखे गए दस्तावेज के कुछ अंश पढ़कर सुनाए। दस्तावेज में प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बताए जाने का दावा किया गया था। साथ ही उसमें 'बाल यौन शोषण करने वाला, दुष्कर्मी और देशद्रोही' जैसे शब्द भी लिखे होने की बात कही गई। इस पर ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने पत्रकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मैं ईंतजार कर रहा था कि आप यह पढ़ें, क्योंकि आप लोग बहुत खराब हैं। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि मैं दुष्कर्मी नहीं हूँ... मैंने किसी के साथ ऐसा कुछ नहीं किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या दस्तावेज में लिखी बातें उनके लिए थीं, तो ट्रंप ने बीच में रोकते हुए कहा, मैं बच्चों का यौन शोषण करने वाला नहीं

इंटरव्यू के दौरान बढ़ा तनाव

बातचीत तेजी से गरमा गई। ट्रंप ने पत्रकार पर आरोप लगाया कि वह एक खराब मानसिक संतुलन वाले व्यक्ति के शब्दों को मंच दे रही हैं। उन्होंने इस तरह के सवालों को शर्मनाक बताया। साथ ही कहा कि जांच एजेंसियां हमलावर के मकसद की पड़ताल कर रही हैं, लेकिन ऐसे दस्तावेजों को सार्वजनिक मंच नहीं दिया जाना

हिंदुस्तान भी बर्बादी के रास्ते पर...; ट्रंप का जिक्र कर कांग्रेस नेता बोले?

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी स्थित हिल्टन होटल में आयोजित हार्ड-प्रोफाइल व्हाइट हाउस कॉरिस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। इस बीच कांग्रेस नेता विजय वडेड़ीवार का बयान भी चर्चा में आ गया है, जिसमें उन्होंने अमेरिका की नीतियों और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता विजय वडेड़ीवार ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल में दुनिया पर दबदबा बनाने की कोशिश की, जिससे कई देशों के साथ तनाव बढ़ा और इसका असर अमेरिका पर भी पड़ा। उन्होंने कहा कि ईरान से कोई सीधा विवाद नहीं था, लेकिन इस्राइल का समर्थन और आक्रामक नीतियों के कारण हालात बिगड़े। उनके मुताबिक, ट्रंप की नीतियों और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं ने अमेरिका को नुकसान पहुंचाया। वडेड़ीवार ने आगे कहा कि भारत में भी लोगों के मन में असंतोष है। भले ही लोग खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं, लेकिन अंदर ही अंदर यह भावना बन रही है कि देश सही दिशा में नहीं जा रहा।

व्हाइट हाउस डिनर में फायरिंग मामला: गौरतलब है कि शनिवार रात करीब 8:34 बजे डिनर कार्यक्रम के दौरान अचानक हलचल मच गई। उस समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कार्यक्रम में मौजूद थे और वेइजिया जियांग व मेटलिस्ट ओज पर्लमैन से बातचीत कर रहे थे। खतरे का संकेत मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। सीक्रेट सर्विस ने फौरन कार्रवाई करते हुए ट्रंप, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उषा वेंस को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के कुछ घंटों बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी कि एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हमलावर ट्रंप प्रशासन की नीतियों से नाराज था और उसने इसके लिए सरकार की तीखी आलोचना की

वांशिंगटन, एजेंसी। रविवार को वांशिंगटन में व्हाइट हाउस कॉरिस्पोंडेंट डिनर में गोलीबारी करने वाले संदिग्ध को अपने किए पर पछतावा भी था। इसके बावजूद उसने गोलीबारी करने का फैसला किया। संदिग्ध द्वारा अपने एक रिश्तेदार को भेजे गए कबूलनामे में इसका खुलासा हुआ है। संदिग्ध ट्रंप प्रशासन की नीतियों से नाराज था और उसने इसके लिए सरकार की तीखी आलोचना की। हालांकि अपने घोषणा पत्र में आरोपी ने राष्ट्रपति ट्रंप का सीधे तौर पर नाम नहीं लिया। अपने कबूलनामे के अंत में कोल ने लिखा, 'अगर कोई ये जानना चाहता है कि ऐसा करने पर कैसा लगता है तो ये बहुत बुरा है। मुझे उल्टी जैसा महसूस हो रहा है। मैं उन सभी चीजों के लिए रोना चाहता हूं, जो मैं नहीं कर पाऊंगा। साथ ही उन सभी लोगों के लिए भी, जिनके भरोसे को मैंने तोड़ा। इस सरकार ने जो भी



कथित तौर पर हमलावर कोल एलन ने लिखा, 'मैं अब एक बाल यौन शोषण करने वाले, दुष्कर्मी और देशद्रोही को

चाहिए।

होटल में कई दिनों से रुका था आरोपी

अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध व्यक्ति वाशिंगटन हिल्टन में कई दिनों से ठहरा हुआ था और उसने कार्यक्रम स्थल की पहले से रेकी की थी। उसके पास से मिले नोट्स में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए गए थे, जिनमें निगरानी और हथियारबंद सुरक्षा की कमी का उल्लेख बताया गया। जांच एजेंसियों का मानना है कि उसका निशाना प्रशासन के वरिष्ठ सदस्य हो सकते थे, जिससे बड़े हमले या हत्या की साजिश की आशंका भी जताई गई।

कार्यक्रम में मची अफरा-तफरी

गोलीबारी की खबर मिलते ही कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। उस समय हॉल में सैकड़ों राजनीतिक हस्तियां, पत्रकार और मेहमान मौजूद थे। यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस एजेंट्स ने तुरंत ट्रंप को मंच से हटाया, जबकि कई लोग टेबलों के नीचे छिप गए। कुछ ही देर बाद आरोपी को सक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

‘पहले खुले होर्मुज, फिर होगी परमाणु मुद्दे में बात’, ईरान ने अमेरिका को दो-सूत्रीय प्रस्ताव भेजा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और शांति वार्ता के ठप पड़ने के बीच ईरान ने अमेरिका को एक नया दो-चरणीय शांति प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिए वांशिंगटन तक पहुंचाया गया है, जिसमें सबसे पहले होर्मुज स्ट्रेट को खोलने और क्षेत्रीय युद्ध को समाप्त करने की बात कही गई है। अमेरिकी न्यूज आउटलेट एक्सियोस के अनुसार, ईरान चाहता है कि परमाणु मुद्दों पर बातचीत को बाद के चरण में रखा जाए। ईरान की प्रस्तावित दो-चरणीय योजना के अनुसार पहले होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने और अमेरिका की नाकबंदी खत्म करने पर जोर दिया गया है। इसके बाद युद्धविराम या स्थायी शांति समझौते की बात है, जबकि परमाणु मुद्दों पर बातचीत बाद में की जाएगी। यह प्रस्ताव पाकिस्तान और ओमान के जरिए अमेरिका तक पहुंचा है।

पहले चरण में: होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोला जाए और अमेरिका की ब्लॉकेड नीति खत्म की जाए।

दूसरा चरण: युद्ध विराम या स्थायी शांति समझौता लागू हो।

ट्रंप बोले- मुझे डर नहीं लगा

बाद में ट्रंप ने कहा कि मैं चिंतित नहीं था। हम एक पागलपन भरी दुनिया में जी रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह तुरंत बाहर जाने के बजाय यह देखना चाहते थे कि आखिर हुआ क्या है। ट्रंप ने माना कि इससे सुरक्षा एजेंसियों को उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने में थोड़ी देरी हुई।

इंटरनेट कहरता पर भी बोले ट्रंप

हमलावर को मानसिक रूप से बीमार बताते हुए ट्रंप ने कहा कि इंटरनेट और ऑनलाइन कड़ुता ऐसी घटनाओं को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने दावा किया कि संदिग्ध व्यक्ति ट्रंप विरोधी और ईसाई विरोधी विचार रखता था। घटना और ऑनलाइन कड़ुता ऐसी घटनाओं को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने दावा किया कि संदिग्ध व्यक्ति ट्रंप विरोधी और ईसाई विरोधी विचार रखता था। घटना से एक दिन पहले वाशिंगटन डीसी में ट्रंप विरोधी प्रदर्शन भी हुआ था। वाशिंगटन हिल्टन की इमारत पर ट्रंप और जेफरी एस्पटीन के पुराने फुटेज प्रोजेक्ट किए गए थे। प्रदर्शनकारियों ने एस्पटीन से जुड़े दस्तावेजों के आंशिक और संपादित रूप में जारी किए जाने पर सवाल उठाते हुए कथित कवर-अप का आरोप लगाया।

‘पहले खुले होर्मुज, फिर होगी परमाणु मुद्दे में बात’, ईरान ने अमेरिका को दो-सूत्रीय प्रस्ताव भेजा

इसके बाद: परमाणु कार्यक्रम पर औपचारिक वार्ता शुरू हो।



रूस, ओमान और पाकिस्तान जैसे देश मध्यस्थता की कोशिशों में लगे हुए हैं। वहीं अमेरिका अभी इस नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, लेकिन उसकी अंतिम प्रतिक्रिया स्पष्ट नहीं है। अमेरिका ने ईरान पर सख्त शर्तें रखी हैं, जिनमें कम से कम 10

इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की पार्टियों का विलय, नेतन्याहू की बढ़ेगी मुश्किलें

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही ईरान युद्ध के चलते लोगों की आलोचना झेल रहे हैं। अब नेतन्याहू की पेशानी ओर बढ़ने वाली है। दरअसल इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की राजनीतिक पार्टियों का विलय हो गया है। दोनों ने मिलकर 'न्यू टुगेदर' नाम से नई पार्टी बनाई है, जिसका नेतृत्व नेफ्ताली बेनेट करेंगे। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने शनिवार को अपनी-अपनी पार्टियों येस एटिड और बेनेट 2026 के विलय का एलान किया। इस्राइल में आगामी अक्टूबर तक आम चुनाव होने हैं। ऐसे में न्यू टुगेदर के बैनर तले ही दोनों पार्टियों के नेता चुनाव लड़ेंगे। इस विलय से विपक्षी गुट को मजबूती मिलने की उम्मीद है और इससे इस्राइल के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा, मैं अपने देश के लिए अब तक का सबसे देशभक्तिपूर्व और यहूदीवादी कदम उठा रहा हूँ। उन्होंने कहा कि यह एकता विभाजन के युग का अंत है। येर लैपिड ने भी मतदाताओं से नई पार्टी का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को नेफ्ताली बेनेट के पीछे एकजुट होना चाहिए। उन्होंने हंगरी का उदाहरण दिया, जहां एकजुट विपक्ष ने जीत हासिल की। नई पार्टी ने एलान कर दिया है कि वे सिर्फ यहूदी दलों के साथ गठबंधन करेंगे और अरब दलों के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। नई पार्टी ने साफ कर दिया है कि अगर वे सत्ता में आते हैं तो उनकी सरकार 7 अक्टूबर के हमलों की जांच के लिए आयोग गठित करेगी। साथ ही सार्वभौमिक सैन्य भर्ती कानून को लागू किया जाएगा। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री के कार्यकाल को 8 साल तक किया जाएगा।



‘पहले खुले होर्मुज, फिर होगी परमाणु मुद्दे में बात’, ईरान ने अमेरिका को दो-सूत्रीय प्रस्ताव भेजा

साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना, मौजूदा परमाणु सामग्री देश से बाहर भेजना और मिसाइल कार्यक्रम के साथ क्षेत्रीय समूहों को समर्थन खत्म करना शामिल है। ट्रंप की नीति के अनुसार, ईरान को किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बातचीत क्यों अटक? ईरान और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत फिलहाल ठप पड़ती नजर आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी वार्ता प्रतिनिधियों की पाकिस्तान यात्रा रद्द होने के बाद यह बातचीत वाशिंगटन ईरान के शुरुआती प्रस्ताव से सहमत नहीं है। वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने भी स्पष्ट किया है कि देश के भीतर इस मुद्दे पर अभी एक साझा राय नहीं बन पाई है।

लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं', ट्रंप पर हमले पर बराक ओबामा ने जताई चिंता

वांशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वांशिंगटन में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरिस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस घटना पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि अभी तक हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम हिंसा को पूरी तरह खत्म कर दें। उन्होंने इस दौरान अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों, खासकर सीक्रेट सर्विस के साहस और तत्परता की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यह घटना उन अधिकारियों के बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाती है, जो हर दिन देश की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। घायल एजेंट के जट्ट स्वस्थ होने की भी उन्होंने कामना की। यह घटना उस समय हुई जब कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्संट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद थे। राहत की बात यह रही है कि सभी प्रमुख हस्तियां सुरक्षित हैं। हालांकि, घटना के दौरान एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी घायल हो गया, जो हमलावर को रोकने की कार्रवाई में शामिल था। व्हाइट हाउस कॉरिस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग ने इस घटना को डरावना पल बताया और सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी सूझबूझ से हजारों लोगों की जान बचाई जा सकी। अमेरिकी कार्यवाहक अर्लीन जन्नरल टॉड ब्लैक के अनुसार, हमलावर ने कुछ गोलियां चलाईं, लेकिन वह सुरक्षा घेरे को पार नहीं कर सका और तुरंत काबू में कर लिया गया। पुलिस ने 31 वर्षीय आरोपी कोल टोमस एलन को हिरासत में ले लिया है, जिसने कथित तौर पर सुरक्षा चेकपॉइंट को पार करने की कोशिश की थी। घटना के बाद पूरे परिसर को तुरंत लॉकडाउन कर दिया गया।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर हालात लगातार गंभीर, पाकिस्तान की मध्यस्थता पर सवाल

है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के फैसलों में इस्राइल का असर दिखाई देता है। इसके साथ ही खेजरियान ने पहले यह भी दावा किया था कि ईरान ने वांशिंगटन के साथ सभी बातचीत रोक दी है। हालांकि, इस पर भी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी तरफ, डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा है कि अमेरिका और ईरान के अधिकारी फोन पर बातचीत करके इस विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के पास बातचीत के सभी विकल्प खुले हैं। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हालिया तनाव और हमलों के

दौरान ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचाया है। कहा जा रहा है कि इस नुकसान की कीमत अरबों डॉलर में हो सकती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने पश्चिम एशिया के कई देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों, गोदामों, कमांड सेंटर, एयरक्राफ्ट हैंगर और रडार सिस्टम को निशाना बनाया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। एक हैरान करने वाली बात यह भी सामने आई है कि ईरान का पुराना एफ-5 लड़ाकू विमान आधुनिक अमेरिकी सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर हमला करने में सफल रहा।

